अंचल अधिकारी का कार्यालय, बाघमारा

माफी अभिलेख 32 18-19

आवेदक - महावीर सिंह

पिता - गोविन्द सिंह

ग्रा० - औलीडीह

जिला धनबाद

आदेश

आवेदक महावीर सिंह पिता स्व० गोविन्द सिंह ग्रा० औलीडीह, जिला धनबाद के ~~निवासी~~ द्वारा मौजा औलीडीह, खाता 351 खेसरा नं० 25 और नं० 799 रकबा 18.84½ डी० भूमि माफी करने हेतु अनुरोध किया गया है। उक्त आवेदन पर हल्का कर्मचारी का जाँच प्रतिवेदन अंचल निरीक्षक के माध्यम से प्राप्त हुआ है। प्रतिवेदन किया गया है कि मौजा औलीडीह खाता 351 खाता नं० 25 और 799 रकबा 18.84½ भूमि गत रैयती खाते की भूमि है। जमाबंदी सं० 25 में लगान वसूल होता है।

अतः हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक के जाँच प्रतिवेदन के आधार पर आवेदक से एक दिन का माफी शुल्क जमा करने के उपरान्त अंचल अमीन को प्रतिनियुक्त करें।

अंचल अधिकारी
बाघमारा

अभिलेख उपस्थापित किया गया है कि आवेदक महावीर सिंह पिता - गोविन्द सिंह, साकिन - औलीडीह ने NR. NO — JD/01. 1128289 दिनांक 12/10/2018 के द्वारा माफी शुल्क जमा किया गया है।

Pam
13/03/19

अंचल अधिकारी
बाघमारा,

अभिलेख उपस्थापित किया गया है कि अंचल अमीन द्वारा जांच एवं मापी आदेशानुसार मौजा, औलीडीह, थाना 35 अंचल बाघमारा के अन्तर्गत खाता नं० 25 प्लॉट न० 799 रकबा 18.84½ एकड़ भूमि मापी करने का आदेश प्राप्त था मैंने आदेशानुसार दिनांक 26-12-18 को स्थल में पहुँचकर आवेदक महावीर सिंह से सम्पर्क किया महावीर सिंह ने कहा कि प्लॉट न० 799 अंश में O.N.G.C का प्लॉट है। मुझे भूमि का मुआवजा लेना है। लेकिन प्लॉट न० 799 रकबा 16 डी० भूमि डीड न० 26979 दिनांक 27-10-72 द्वारा बद्री नारायण महावीर सिंह को सूर्य नारायण सिंह के पिता गंगाधर सिंह ने क्रय किया है। मापी कर देखने से पता चला कि O.N.G.C घेरा के बाहर 5.75 डी० बची हुई है। और 10.25 डी० भूमि घेरा के अन्दर पड़ती है। पुनः डीड सं० 7074 दिनांक 13-5-63 द्वारा हरायन सिंह के पिता पांचु सिंह ने उक्त प्लॉट में से 8¼ डी० भूमि क्रय किया है। इसमें से 3 डी० भूमि बची हुई है। और 5¼ डी० O.N.G.C के घेरा के अन्दर पड़ती है। फिर उक्त प्लॉट में से ही डीड सं० 16553 दिनांक 9.6.62 द्वारा हरायन सिंह के पिता पांचु सिंह ने 09 डी० भूमि क्रय किया है। इसमे से 3.25 डी० भूमि बाहर है। और 5.75 डी० भूमि O.N.G.C के घेरा के अन्दर पड़ती है।

अतः अभिलेख की कारवाई समाप्त की जाती है।

Sd/- 13/02/19

अंचल अधिकारी
बाघमारा